पेंटिंग

प्रयोगात्मक

(माध्यमिक स्तर)

2

अभिकल्पन एवं निर्माण

संचिता भट्टाचार्जी

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

ए-24-25 इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर-62, नौएडा

© राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

प्रथम प्रकाशन : जनवरी 2010 (5,000 प्रतियाँ)

सचिव, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, ए-24/25, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर-62, नोएडा द्वारा प्रकाशित तथा मैसर्स नूतन प्रिन्टर्स, F-89/12, ओखला इंड. एरिया फेस-I, नई दिल्ली-110020 द्वारा मुद्रित।

आभार

सलाहकार समिति

- डॉ. सितांशु शेखर जेना
  अध्यक्ष
  रा.मु.वि.शि.सं., नोएडा
- डॉ. अनिता प्रियदर्शिनी
  निदेशक (शैक्षिक)
  रा.मु.वि.शि.सं., नोएडा
- श्रीमती गोपा विश्वास
  उप–निदेशक (शैक्षिक)
  रा.मु.वि.शि.सं., नोएडा

पाठ्यक्रम समिति

- प्रो. के. एम. चौधरी *(अध्यक्ष)*
  सेवानिव त प्रोफेसर
  कॉलेज ऑफ आर्ट, नई दिल्ली
- श्रीमती बी.एम. चौधुरी
  विजिटिंग लेक्चरार
  मयूर विहार, नई दिल्ली
- श्रीमती सुस्मिता दास पाल
  आर्ट एजुकेशनिष्ट, नई दिल्ली
- डॉ. सुनील कुमार
  रीडर, एनसीईआरटी, नई दिल्ली
- श्री विनोद कुमार
  कला शिक्षक, दिल्ली पब्लिक स्कुल, मथुरा रोड़, नई दिल्ली
- प्रो. चारु गुप्ता
  उप निदेशक
  क्रॉफ्ट म्युजियम, नई दिल्ली
- श्री सुमिताभ पाल
  रीडर
  शांति निकेतन, पश्चिम बंगाल
- श्री के.ए. सुबन्ना
  वरिष्ठ कला शिक्षक, दिल्ली कन्नड़
  उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नई दिल्ली
- श्रीमती संचिता भट्टाचार्य
  पाठ्यक्रम समन्वयक, रा.मु.वि.शि.सं.

पाठ लेखक

- प्रो. सादरे आलम
  जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- श्री मोहन सिंह
  लेक्चरार, कॉलेज ऑफ आर्ट, नई दिल्ली
- श्री राजेश गुप्ता
  पी.जी.टी. गवर्नमेंट सर्वोदय बाल विद्यालय,
  विवेक विहार, दिल्ली

सम्पादक

- प्रो. के.एम. चौधुरी
  सेवानिव त प्रोफेसर
  कॉलेज ऑफ आर्ट, नई दिल्ली
- श्रीमती संचिता भट्टाचार्य
  पाठ्यक्रम समन्वयक, रा.मु.वि.शि.सं.
- श्री दिनेश थपलीयाल
  सेवानिव त अधिकारी
  एनसीईआरटी, नई दिल्ली

चित्र संयोजन

- प्रो. एन. सेनगुप्ता
  सेवानिव त प्राचार्य
  कॉलेज ऑफ आर्ट, नई दिल्ली
- श्री राजेश गुप्ता
  पी.जी.टी., गवर्नमेंट सर्वोदय बाल विद्यालय
  विवेक विहार, दिल्ली
- प्रो. सादरे आलम
  सेवानिव त अधिकारी
  जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- श्री मोहन सिंह
  लेक्चरार
  कॉलेज ऑफ आर्ट, दिल्ली

अनुवाद

- श्री एस.के. गांगल
  सेवानिव त शिक्षा अधिकारी
  सी.बी.एस.ई. नई दिल्ली

अध्यक्ष का संदेश......

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) अपने विद्यार्थियों के लिए अनेक पाठ्यक्रम चलाता है। अब इसने माध्यमिक स्तर पर चित्रकला में एक नया पाठ्यक्रम विकसित करने की पहल की है। चित्रकला एक ऐसी कला है जो दूसरों से जुड़ने के लिए स्वाभाविक रूप से हृदय से प्रकट होती है। मनुष्य अपनी भावनाओं और विचारों को प्रस्तुत करने के लिए एक या दूसरे माध्यमों को अपनाता है। चित्रकला, संगीत, नृत्य, अभिनय सीखने से व्यक्ति का बेहतर समाजीकरण होता है, वह आत्मविश्वासी बनता है।

ऐसा माना जाता है कि कला के ये रूप ज्ञानात्मक एवं संप्रेषणात्मक कौशल बढ़ाने, समन्वय स्थापित करने तथा विद्यार्थी की अभिव्यक्ति, मौलिकता तथा रचनात्मकता को विकसित करने में मदद करते हैं।

चित्रकला के इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थी की चित्रकला के दृश्य पक्षों के बारे में सौन्दर्यवादी दृष्टि कौशल, ज्ञान तथा समझ को बढ़ाना तथा उसके व्यक्तित्व को समृद्ध करना है। इस पाठ्यक्रम के माधयम से विद्यार्थी चित्रकला के द्वारा अपने विचारों को व्यक्त करने के लिए विभिन्न रूपों एवं रंगों का प्रयोग कर पायेंगे।

मैं उन सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने इस पाठ्यक्रम के निर्माण में सहयोग दिया। इस पुस्तक की उपयोगिता का आकलन मुख्यतः इसका उपयोग करनेवाले एनआईओएस के विद्यार्थी करेंगे। उनके विचार एवं सुझाव एनआईओएस के लिए उपयोगी होंगे और भविष्य में संशोधित रूप में प्रस्तुत करने में सहायक होंगे।

शुभकामनाओं सहित,

डॉ. सितांशु शेखर जेना
अध्यक्ष, एनआईओएस

दो शब्द......

प्रिय विद्यार्थी,

मैं आशा करती हूँ कि आपको अध्ययन में आनंद आ रहा है। सबसे पहले, मैं इस पाठ्यक्रम में आपका स्वागत करती हूँ। चित्रकला एक अत्यंत रोचक माध्यम है जिससे व्यक्ति रंगों के माध्यम से खुद को अभिव्यक्त करने में, रेखाओं, बनावट और लय के भाव को समझने में सहायता मिलती है। इस पाठ्यक्रम को पूरा करने पर आप अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए बहुत सी वस्तुएँ बना सकते हैं और विभिन्न रूप देकर डिजाइन बना सकते हैं। यह पाठ्यक्रम आपको चित्रकला के विभिन्न पहलुओं और तकनीकों, जैसे परिप्रेक्ष्य, समानुपात, रंगों, उपयुक्त प्रकाश और छाया के प्रयोग को सीखने का अवसर प्रदान करेगा।

यह पाठ्यक्रम दो भागों में बँटा है– सिद्धांत और प्रयोग। परीक्षा के उद्देश्य से सिद्धांत के लिए 30 अंक हैं, प्रयोग के लिए 70 अंक हैं। हमने विषय अध्ययन सामग्री तैयार की है जो आपको प्रयोग संबंधी दिशा-निर्देश देगी।

मैं आशा करती हूँ कि आपको चित्रकला पढ़ना रोचक लगेगा। यदि आपके पास कोई सुझाव है, तो कृपया मुझे बताएँ क्योंकि आपके विचार हमारे लिए बहुत मूल्यवान हैं और आपके सुझावों पर विचार करते हुए हम इस पाठ्यक्रम को और बेहतर बनाने की कोशिश करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

संचिता भट्टाचार्य
पाठ्यक्रम समन्वयक

विषय-सूची

क्र.सं.	पाठ का नाम	पेज सं.
1.	वस्तु–चित्रण	1
2.	प्रकृति–चित्रण	9
3.	मानव व पशु आकृतियाँ	17
4.	संयोजन	27